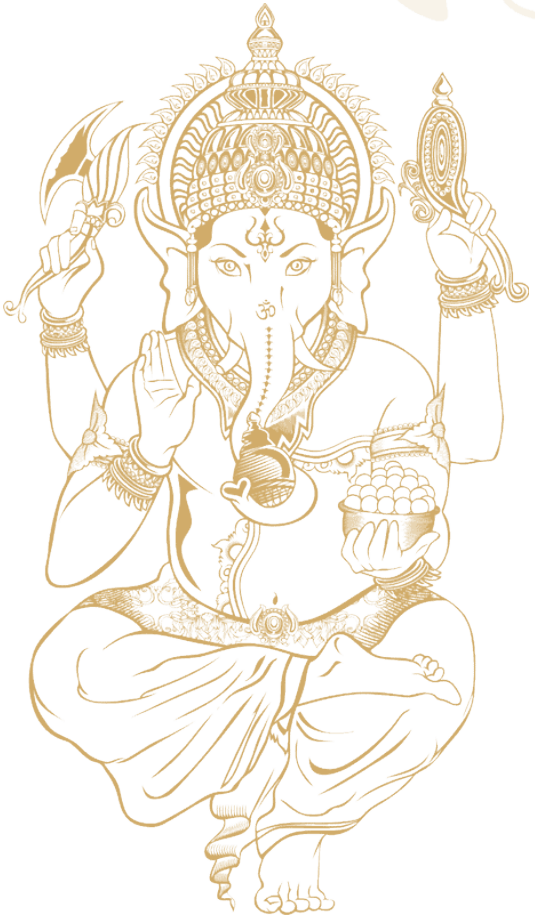

Deepak Mishra

09 Feb 2004

12:45 AM

Uttarkashi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121859612

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**8-09/02/2004**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**00:45:00 घंटे**
इष्ट	44:11:48 घटी
स्थान	**Uttarkashi**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:44:00 उत्तर
रेखांश	78:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:28:16 घंटे
वेलान्तर	-00:14:11 घंटे
साम्पातिक काल	09:41:14 घंटे
सूर्योदय	07:04:16 घंटे
सूर्यास्त	17:57:52 घंटे
दिनमान	10:53:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	25:27:00 मकर
लग्न के अंश	23:23:21 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सुकर्मा
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	23:23:21	303:24:20	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			मक	25:27:00	01:00:45	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	24:55:37	13:21:06	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगल			मेष	09:30:41	00:38:12	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध			मक	08:32:40	01:31:33	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		सिंह	23:01:13	00:06:13	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	06:13:54	01:10:53	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि	व		मिथु	13:05:02	00:02:58	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	21:16:05	00:09:55	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	21:16:05	00:09:55	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	08:06:45	00:03:24	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	19:11:57	00:02:16	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	27:47:09	00:01:25	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	29:03:15	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:41

लग्न-चलित

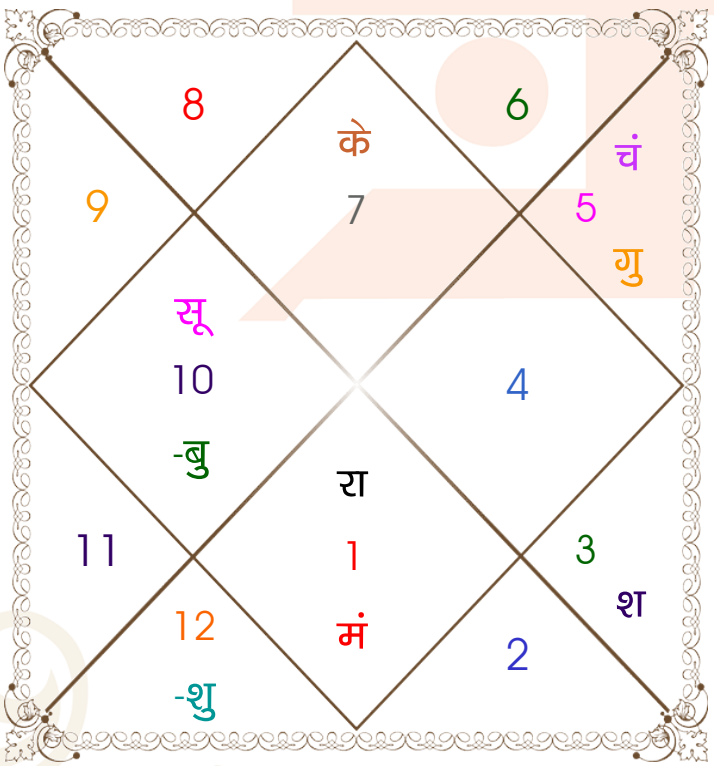

चन्द्र कुंडली

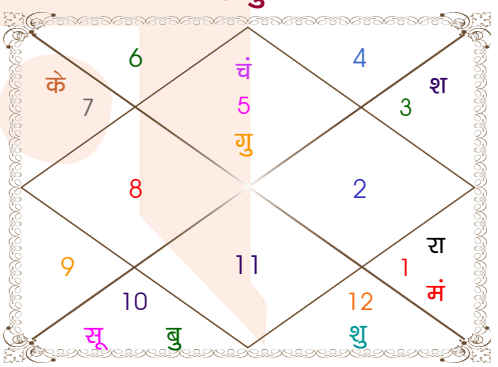

नवमांश कुंडली

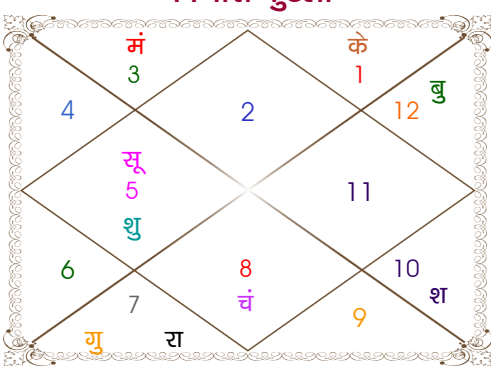

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 7 मास 9 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/02/2004		19/09/2006		18/09/2012		19/09/2022		18/09/2029	
19/09/2006		18/09/2012		19/09/2022		18/09/2029		19/09/2047	
	00/00/0000	सूर्य	06/01/2007	चंद्र	20/07/2013	मंगल	15/02/2023	राहु	01/06/2032
	00/00/0000	चंद्र	08/07/2007	मंगल	18/02/2014	राहु	04/03/2024	गुरु	25/10/2034
	00/00/0000	मंगल	13/11/2007	राहु	19/08/2015	गुरु	08/02/2025	शनि	31/08/2037
	00/00/0000	राहु	06/10/2008	गुरु	18/12/2016	शनि	20/03/2026	बुध	20/03/2040
	00/00/0000	गुरु	26/07/2009	शनि	20/07/2018	बुध	17/03/2027	केतु	07/04/2041
	00/00/0000	शनि	08/07/2010	बुध	19/12/2019	केतु	13/08/2027	शुक्र	07/04/2044
	09/02/2004	बुध	14/05/2011	केतु	19/07/2020	शुक्र	12/10/2028	सूर्य	02/03/2045
बुध	20/07/2005	केतु	19/09/2011	शुक्र	20/03/2022	सूर्य	17/02/2029	चंद्र	31/08/2046
केतु	19/09/2006	शुक्र	18/09/2012	सूर्य	19/09/2022	चंद्र	18/09/2029	मंगल	19/09/2047

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/09/2047		19/09/2063		19/09/2082		19/09/2099		20/09/2106	
19/09/2063		19/09/2082		19/09/2099		20/09/2106		00/00/0000	
गुरु	06/11/2049	शनि	22/09/2066	बुध	14/02/2085	केतु	15/02/2100	शुक्र	19/01/2110
शनि	19/05/2052	बुध	01/06/2069	केतु	11/02/2086	शुक्र	17/04/2101	सूर्य	19/01/2111
बुध	25/08/2054	केतु	11/07/2070	शुक्र	12/12/2088	सूर्य	23/08/2101	चंद्र	19/09/2112
केतु	01/08/2055	शुक्र	09/09/2073	सूर्य	19/10/2089	चंद्र	24/03/2102	मंगल	19/11/2113
शुक्र	01/04/2058	सूर्य	22/08/2074	चंद्र	20/03/2091	मंगल	20/08/2102	राहु	19/11/2116
सूर्य	18/01/2059	चंद्र	23/03/2076	मंगल	16/03/2092	राहु	08/09/2103	गुरु	21/07/2119
चंद्र	19/05/2060	मंगल	01/05/2077	राहु	04/10/2094	गुरु	14/08/2104	शनि	20/09/2122
मंगल	25/04/2061	राहु	07/03/2080	गुरु	09/01/2097	शनि	22/09/2105	बुध	10/02/2124
राहु	19/09/2063	गुरु	19/09/2082	शनि	19/09/2099	बुध	20/09/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 7 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।